॥ मां का आशीर्वाद ॥

ABHI TIMENEWS

■ प्रेरणास्त्रोत : स्व. श्री जगन्नाथसिंह रघुवंशी

ENGHIN- RNI No.: MPBIL/2013/62704

www.timenews.today

■ वर्ष 13 ■ अंक 31 ■ प्रति सोमवार | इंदौर, 02 मई से 08 जून 2025 | ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 1 रु.

इंदौर में दौड़ने लगी मेट्रो ट्रेन

एक सप्ताह तक है फ्री सर्विस, पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

INDORE • TIME NEWS

एमपी के इंदौर को बड़ी सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी है। इंदौर में मेट्रो सेवा की शुरुआत हो गई है। पहले दिन महिलाएं मेट्रो में सफर कर रही हैं। यह मेट्रो सेवा अभी 6 किलोमीटर के रूट पर शुरू हुई है। इस रूट पर 5 स्टेशन हैं। मेट्रो शुरू होने से शहर में ट्रैफिक और प्रदूषण कम होने की उम्मीद है। पहले हफ्ते में लोग मुफ्त में मेट्रो में सफर कर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली भोपाल से इसकी शुरुआत की है।

अभी छह किलोमीटर का हिस्सा शुरू हुआ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि इंदौर में आज से मेट्रो की शुरुआत हुई है। इंदौर मेट्रो का अभी सिर्फ 6 किलोमीटर का हिस्सा ही शुरू हुआ है। इसे 'यलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर' कहा जा रहा है। इसमें गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति

मेट्रो के शुरू होने से शहर में ट्रैफिक कम होगा। प्रदूषण भी कम होने की उम्मीद है। लोग पहले हफ्ते में मुफ्त में मेट्रो में घूम सकेंगे। मेट्रो स्टेशन को एक दिन पहले ही सजा दिया गया था। मेट्रो में सफर करते समय शहर की हरियाली का खूबसूरत नजारा दिखेगा।

जनवरी 2026 तक मेट्रो फेज-2 का काम पूरा होने की उम्मीद

इंदौर मेट्रो के फेज-2 का काम जनवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर मेट्रो को रवाना किया। अभी सिर्फ 5.9 किमी पर ही मेट्रो चलेगी। पूरा प्रोजेक्ट 31 किमी लंबा है।

अंडरग्राउंड भी है मेट्रो

मेट्रो का कुछ हिस्सा जमीन के नीचे भी है। इस हिस्से का टेंडर हो चुका है, लेकिन अभी काम शुरू नहीं हुआ है। वहीं, इंदौर मध्य प्रदेश का पहला ऐसा शहर हो गया है, जहां मेट्रो ट्रेन की सेवा है। भोपाल मेट्रो की शुरुआत में अभी देर है।

मुख्यमंत्री यादव बोले-देवी अहिल्या की नगरी से महाकाल की नगरी तक जाएगी मेट्रो ट्रेन

मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर पहुंचे और मेट्रो ट्रेन में मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों के साथ यात्रा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अहिल्या देवी अच्छी शासक थी। उनका राज सुशासन की एक मिसाल है। यह गौरव की बात है कि उनकी जयंती पर इंदौर में मेट्रो ट्रेन का लोकार्पण हुआ।अहिल्या माता की जन्म जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है और उस समय यह शुरुआत इंदौर के इतिहास में चार चांद लगाने वाली है इंदौर में पहले बैलगाड़ी, टेंपो चलते थे, लेकिन अब शहरवासी मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल रही है। मेट्रोपॉलिटन सिटी का गौरव मेट्रो ट्रेन बढ़ाएगी। भविष्य में मेट्रो के दूसरे चरणों का भी काम होगा। देवी अहिल्या की नगरी से मेट्रो ट्रेन बाबा महाकाल की नगरी तक जाएगी। मैंने इस ट्रेन में सफर किया है। उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर के बाद पूरे देश में अलग माहौल बना हुआआ है। महिलाएं सिंदूरी साड़ी पहनकर और माथे पर सिंदूर लगाकर शामिल हुई। इससे पाकिस्तान की नाक कट गई, लेकिन हमारे लिए गौरव का क्षण है। इंदौर को आने वाले दिनों में कई और सौगात मिलती रहेगी। मंत्री विजयवर्गीय ने उन्हें मेट्रो ट्रेन के स्टेशनों की जानकारी दी। एक घंटा इंदौर में रुकने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव उज्जैन के लिए रवाना हो गए।

(शेष पेज 4 पर)

चंदन नगर को कालानी नगर और एयरपोर्ट से जोड़ने वाली रोड दो साल में बनेगी

INDORE • TIME NEWS

चंदन नगर से कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट तक लिंक रोड का निर्माण जल्द शुरू होगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इस रोड का टेंडर जारी हो गया है और दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने गोपुर चौराहा से परस्पर नगर चौराहा तक बनने वाली सर्विस रोड का भूमिपूजन किया।

इंदौर में चंदन नगर से कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट को जोड़ने वाली सड़क का टेंडर जारी हो गया है। जल्द ही इसका निर्माण शुरू हो जाएगा। हमारा लक्ष्य इस लिंक रोड को दो वर्ष में पूरा करने का है। यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को गोपुर चौराहा से परस्पर नगर चौराहा तक बनने वाली सर्विस रोड का भूमिपूजन करते हुए कही।

इस सर्विस रोड की मांग लंबे समय से उठ रही थी। महापौर ने कहा कि हमारा लक्ष्य इंदौर को डिजिटल शहर बनना है। हम कई योजनाओं पर काम कर रहे हैं। डिजिटल इंदौर की संकल्पना पूरी होने के बाद यहां के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हम इंदौर को डिजिटल शहर बनाने के साथ आईटी कंपनियों को यहां आमंत्रित कर रहे हैं। सर्विस रोड के भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक मधु वर्मा, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा, पार्षद प्रशांत बड़वे मौजूद थे।

सायबर ठगों के जाल में फंसकर एफडी तुड़वाने बैंक पहुंची रिटायर्ड प्रिंसिपल, मैनेजर की सूझबूझ से बच गईं

INDORE • TIME NEWS

सायबर ठगों ने एक रिटायर्ड प्रिंसिपल को पूरी तरह अपने जाल में फंसा लिया। ठगों ने उनकी सीम के गलत इस्तेमाल होने और अकाउंट में ट्रांजेक्शन की बात को लेकर धमकाया। उन्होंने प्रिंसिपल को सायबर अरेस्ट कर लिया और एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। सेवानिवृत्त प्राचार्य को घर में ही फोन कॉल के सामने बैठे रहने को कहा। महिला ने कहा कि उसकी 52 लाख रुपये की एफडी बैंक में है। उसे तुड़वाने बैंक जाना होगा। इसके बाद जब वह बैंक पहुंचीं तो बैंक मैनेजर ने सूझबूझ दिखाई और उसे ठगी से बचा लिया।

रिटायर्ड प्रिंसिपल बैंक में अपनी सावधि जमा तोड़कर ठगों के बताए खातों में पैसा ट्रांसफर कराना चाहती थी। बैंक मैनेजर को इतनी बड़ी एफडी तत्काल तुड़वाने पर शंका हुई तो उन्होंने पहले तो बैंक के कंप्यूटर सिस्टम का सर्वर डाउन होने का हवाला देकर सेवानिवृत्त प्राचार्य को रवाना कर दिया। इसके बाद सायबर पुलिस को सूचना दी।

दरअसल, सायबर ठगों ने सेंट्रल स्कूल की रिटायर्ड प्राचार्य नंदनी चिपलूणकर को ठगने की कोशिश की थी। ठगों का कॉल आने के बाद वह इतना डर गई थीं कि अपने पति को भी उन्होंने यह बात नहीं बताई। ठग उन्हें कह रहे थे कि उनके खिलाफ 267 एफआईआर है।

नरेश गोयल का हवाला दिया

ठगों ने चिपलूणकर को जेट एयरवेज के पूर्व मालिक नरेश गोयल का हवाला दिया और कहा कि गोयल ने कोर्ट के सामने तुम्हारा नाम लिया है। ठगों ने कार्रवाई से बचने के लिए एक करोड़ रुपये अपने बैंक अकाउंट में जमा करने की बात कही। नंदनी के बैंक में पहुंचने के बाद मैनेजर को शंका हुई तो उन्होंने पुलिस अफसरों को इसकी जानकारी दी। अफसरों ने महिला से संपर्क किया और सायबर ठगी की जानकारी दी। इसके बाद महिला की शिकायत पर उन्होंने केस भी दर्ज किया।

23 साल की युवती को आत्महत्या के लिए उकसाया

फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाले युवक पर ईडं

INDORE • TIME NEWS

राजेंद्र नगर पुलिस ने युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने और उसके फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देने के मामले में युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवक ने युवती से धमकी देकर 4 लाख रुपए भी ऐंठ लिए थे।

राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक 23 वर्षीय युवती की शिकायत पर दानिश पिता सरताज खान, निवासी जूना रिसाला के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि दानिश से उसकी मुलाकात एक प्रोग्राम में हुई थी। इसके बाद उनकी इंस्टाग्राम पर बातचीत होने लगी। दोनों को प्रेम हो गया। एक दिन युवक ने उसे मिलने बुलाया और विजय नगर इलाके में एक होटल में ले गया। यहां शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने युवती के फोटो-वीडियो बना लिए और उसे डराकर पैसों की डिमांड करने लगा।

युवती को डरा कर आरोपी ने उससे 4 लाख रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद 29 सितंबर 2024 को दोबारा उसके साथ गलत काम किया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने आत्महत्या का प्रयास किया

राजस्थान राज्य के एमडी ड्रग्स तस्कर इंदौर क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में

INDORE • TIME NEWS

आरोपीयों के कब्जे से लगभग 255 ग्राम अवैध मादक पदार्थ 'एमडी ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए), 01 मोटरसाइकिल, 02 आईफोन जप्त। आरोपियों प्रतापगढ़ (राजस्थान) से सस्ते दामों पर लाकर इंदौर एवं आसपास के क्षेत्रों में अधिक दामों पर, एमडी ड्रग्स बेचना का था इरादा ।

आरोपी ने पूछ ताछ में बताया कि उसके गांव कोटडी (प्रतापगढ़) में ज्यादातर लोगों का कार्य श्अ ड्रग्स तस्करी है।

आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त करने सहित साथी आरोपी गैंग के सम्बन्ध में पूछताछ हेतु की जा रही है क्राईम ब्रांच के द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही।

इंदौर क्राईम ब्रांच के द्वारा वर्ष 2025 में (01 जनवरी से आज दिनांक तक) 46 प्रकरणों में 84 ड्रग्स तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही कर करीब 536 ग्राम ब्राउन शुगर, 1 किलो 194 ग्राम एमडी ड्रग्स, 1 किलो 49 ग्राम चरस, 49.5 किलो गांजा, 9 लाख 33 हजार अल्प्राजोलम टैबलेट्स, 5 हजार 640 कोडीन सिरप (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 11 करोड़ रुपए) जप्त कर कार्यवाही की गई है।

अपराध क्रमांक- 103/2025 धारा- 8/22

घटना स्थल- रेलवे अंडर ब्रिज के पास, MR 4 रोड इन्दौर

आरोपी का नाम :

(1). नसीब खान उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कोटडी, प्रतापगढ़ (राजस्थान)

बीए सेकंड ईयर तक पढ़ा है और खेती किसानी का कार्य के साथ साथ करीब 1 वर्ष से ड्रग्स तस्करी करना बताया, आदतन आरोपी के विरुद्ध रतलाम जिले में श्अ ड्रग्स के अपराध में जेल जाना कबूला है।

(2). साहिल मंसूरी उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम कोटडी, प्रतापगढ़ (राजस्थान)

8वी तक पढ़ा है और किराने की दुकान चलाना के साथ-साथ ड्रग्स तस्करी करना कबूला।

जब्त माल का विवरण :- 255 ग्राम 'एमडी ड्रग्स', 01 मोटरसाइकिल, 02 आईफोन।

घटना का विवरण :- प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही कर इनके नेटवर्क को नेस्तनाबूत करने के सख्त निर्देश माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिये गए हैं। इसी तारतम्य में इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह के निर्देशन में इंदौर क्राईम ब्रांच विशेष अभियान चलाकर लगातार अवैध नशे पर कड़ा प्रहार कर रही है।

इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि रेल्वे ब्रिज के नीचे एमआर 4 रोड इन्दौर में, राजस्थान के दो व्यक्ति नसीब ओर साहिल, एमडी ड्रग्स की तस्करी करने आने वाले है, मुखबिर सूचना को सच मानकर क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा उक्त स्थान पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखे जो पुलिस को देख घबराने भागने का प्रयास करते मोटरसाइकिल गिर गए और उनके पैरों में चोट भी आई, पूछताछ पर आरोपीयो के द्वारा अपना नाम (1). नसीब खान निवासी प्रतापगढ़ राजस्थान एवं (2).साहिल मंसूरी निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) का होना बताया।

आरोपीयो ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि राजस्थान से श्अ ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा। आरोपी के कब्जे से 255 ग्राम 'एमडी ड्रग्स', 01 मोटरसाइकिल, 02 आईफोन जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 103/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

TIME NEWS
चैनल देखिए अब
आपके मोबाइल और
स्मार्ट टीवी पर लाइव
TIMES
SMART TV
FREE LIVE NEWS & FREE
TO AIR CHANNEL PORTAL
देशभर की खबरों से रुबरु होने के लिए
PLAY STORE से डाउनलोड करें।
TIMES SMART TV APP

ज्वेलरी शॉप से महिला ने चुराई अंगूठी-पायल

पलक झपकते ही बॉक्स से निकाल ली 53 हजार की सोने की अंगूठी

INDORE • TIME NEWS

इंदौर के सराफा बाजार में एक महिला ने हाथ की सफाई दिखा दी। दुकान संचालक का ध्यान भटकते ही महिला ने अंगूठी के बॉक्स में से चंद सेकेंड में सोने की अंगूठी निकाल ली। महिला के जाने के बाद जब दुकान संचालक ने बॉक्स देखा तो अंगूठी गायब होने का पता चला। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज देखे तो पता चला कि महिला अंगूठी के साथ दो जोड़ी पायल भी चुरा ले गई है।

घटना शनिवार को बड़ा सराफा में कपूर ज्वेलर्स पर हुई। इसकी शिकायत सराफा थाने पर की गई है। साथ ही घटना के सीसीटीवी फुटेज भी मार्केट के ग्रुप पर सर्कुलेट किए, ताकि दूसरे व्यापारी भी सतर्क हो जाएं। इसके बाद बाजार में लाउड स्पीकर से अनाउंसमेंट भी की गई। दुकान मालिक सुधीर कपूर के परिजन चिराग कपूर ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर की है। एक महिला दुकान पर ज्वेलरी देखने आई थी। उसे ज्वेलरी दिखा रहे थे। इस दौरान उसने कब अंगूठी गायब कर दी पता ही नहीं चला। उसके जाने के बाद जब बॉक्स में एक सोने की अंगूठी नहीं मिली तो दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए। जिसे देखकर हम भी चौंक गए।

अंगूठी के अलावा दो जोड़ी पायल भी ले गई महिला

घटना के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो पता चला कि महिला सोने की अंगूठी के साथ दो जोड़ी पायल भी ले गई है। अंगूठी की कीमत 53 हजार रुपए और 227 ग्राम दो जोड़ी की पायल करीब 18 हजार रुपए है। उन्होंने बताया कि महिला अकेली आई थी। महिला ने कब वारदात की पता ही नहीं चला। सीसीटीवी फुटेज में देखने पर पता चला कि दुकान संचालकों का ध्यान भटकते ही महिला ने बॉक्स खोलकर उसमें से एक सोने की अंगूठी चुरा ली। वहीं पायल देखने के दौरान उसने एक हाथ से पायल को अपनी साड़ी में छुपा लिया। जिसका किसी को पता भी नहीं चला।

ड्मार्केट के ग्रुप पर डाले फुटेज, व्यापारियों को किया सतर्क

इधर, घटना के बाद ज्वेलरी संचालक ने घटना के सीसीटीवी फुटेज सराफा बाजार के मार्केट के वॉट्सऐप ग्रुप पर शेयर किए, ताकि दूसरे व्यापारी भी सतर्क हो जाएं। इसके अलावा मार्केट में लाउड स्पीकर के माध्यम से महिला चोर से सतर्क रहने का अनाउंसमेंट भी किया गया। घटना के फुटेज भी इसलिए डाले गए थे, ताकि वह किसी व्यापारी के यहां आई हो तो उसके बारे में पता चल सके। इधर, घटना के बाद दुकान संचालक ने सराफा थाने में शिकायती आवेदन दिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

फूलों का सेज सजाकर मोहसिन खान अपने भांजे दानिश खान को परोसता था हिन्दू लड़कियां

INDORE • TIME NEWS

ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी का संचालक सैकड़ों हिंदू लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने वाला लव जिहादी मोहसिन खान के साथ लाल घेरे में नजर आ रहा युवक मोहसिन का भांजा दानिश खान है, मोहसिन ओर दानिश के साथ पलंग पर जो लड़की बैठी दिखाई दे रही है मोहसिन ने उसे लंबे समय तक अपने साथ रखा बाद में उससे मन भर जाने पर उसको अपने भांजे दानिश को गिफ्ट स्वरूप सौंप दिया था बाद में दानिश ने इस लड़की को अपने जाल में फंसाया और अनेकों बार उस लड़की के साथ अवैध संबंध बनाए। उक्त लड़की वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी चर्चित है और उसके लाखों फॉलोवर भी है तथा इसकी रील पर लाखो लाइक व कमेंट आते है।

जिससे उसे मोटी रकम भी प्राप्त होती है दानिश इन पैसों से महंगे कपड़े व मोबाइल फोन लेता था और इस लड़की कि सहेलियों व अपने मुस्लिम दोस्तों के साथ भवरकुआं क्षेत्र के कैफे एवं होटलों में पार्टी किया करता था यह सभी मिलकर उन्हें एम डी ड्रग्स का नशा कराने के बाद निर्वस्त्र कर नचाते थे और उनके वीडियो बनाकर बाद में उन्हें ब्लैकमेल करते थे। दानिश ओर उसके दोस्तों ने बारी बारी से इन सभी लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया और बाद में इन्हें अपने अन्य मुस्लिम दोस्तों से मिलवाया जो अब भी कही ना कही शोषण का सामना कर रही है और वर्तमान में यह सभी मुस्लिम लड़के इन हिन्दू लड़कियों का शोषण कर रहे है.... और अब तक सैकड़ों मासूम हिंदू लड़कियों को अपना शिकार बना चुके है।

शादी में आई नाबालिग से परिचित ने किया दुष्कर्म

INDORE • TIME NEWS

खजराना इलाके में 15 साल की एक नाबालिग से उसके परिचित ने ही दुष्कर्म किया। लड़की रिश्तेदार के यहां शादी में आई है। पुलिस ने बताया, नाबालिग दोपहर में कपड़े सुखाने के लिए ऊपर की मंजिल पर गई थी। आरोपी पहले से वहां मौजूद था। उसने नाबालिग से जबरदस्ती की फिर मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी दी। लेकिन, पीड़िता ने तुरंत घर वालों को इसकी सूचना दे दी। फिर सभी ने थाने पहुंचकर केस दर्ज करवाया। समझौते के लिए धमकाया- उधर, गांधीनगर में युवती और उसके परिवार को एक युवक ने धमकाकर मारपीट की। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित ने बताया कि दो साल पहले आरोपी विकास मेरी बहन को जबरन ले गया था। इसकी रिपोर्ट हमने थाने में की थी। तब से केस कोर्ट में चल रहा है। अब कोर्ट से बयान के लिए समन आया है, इसमें हमारे बयान होना शेष हैं।

सीनियर अफसरों पर कमेंट करना पड़ा भारी, दो पटवारी तुरंत सस्पेंड

INDORE • TIME NEWS

इंदौर में सोशल मीडिया पर वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करना दो पटवारियों को भारी पड़ गया। यह मामला कलेक्टर आशीष सिंह के संज्ञान में आते ही उन्होंने तत्काल प्रभाव से दोनों पटवारियों को निलंबित कर दिया। अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले इस कृत्य पर प्रशासन ने कठोर रवैया अपनाते हुए सेवा आचरण नियमों का हवाला देते हुए कार्रवाई की।

राऊ तहसील के पटवारी चेतन उपाध्याय का मामला: पहला मामला तहसील राऊ के पटवारी चेतन उपाध्याय से जुड़ा है। उन्होंने शुक्रवार को एक वॉट्सऐप मीडिया ग्रुप में एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों का उल्लंघन मानते हुए कलेक्टर ने चेतन उपाध्याय को निलंबित कर दिया है। निलंबन के बाद उनका मुख्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय इंदौर निर्धारित किया गया है।

सांवेर तहसील के पटवारी धर्मेंद्र गुप्ता भी निलंबित: दूसरा मामला तहसील सांवेर के पटवारी धर्मेंद्र गुप्ता का है। उन्होंने भी उसी दिन उसी वॉट्सऐप ग्रुप में वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने धर्मेंद्र गुप्ता को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्हें भी मुख्यालय से अटैच किया गया है ताकि आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके।

कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई, भत्ता मिलेगा: कलेक्टर द्वारा की गई यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 और मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत की गई है। हालांकि निलंबन की स्थिति में दोनों पटवारियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। इस घटना ने प्रशासनिक कर्मचारियों के सोशल मीडिया व्यवहार को लेकर सतर्कता का संदेश दिया है।

वनकर्मी और उसकी पत्नी पर धोखाधड़ी का केस

INDORE • TIME NEWS

इंदौर में कनाड़िया पुलिस ने वनकर्मी मानसिंह खराड़ी और उसकी पत्नी मनीषा पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। दंपती पर मकान का सौदा कर 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। टीआई सहर्ष यादव के मुताबिक अलका पाटिल द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई है। उसने पुलिस को बताया कि मानसिंह से उसके मकान का सौदा 55 लाख में किया था। अनुबंध करवा कर 32 लाख रुपये एडवांस दिए थे। बाद में रजिस्ट्री नहीं की गई।

सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024, महिला अभ्यर्थियों से गहने निकालने का विरोध

INDORE • TIME NEWS

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024 का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थियों ने भाग लिया, लेकिन उन्हें परीक्षा केंद्र पर नाक की लोंग, कान की बाली और गले में पहने चेन-मंगलसूत्र तक निकालने के लिए कहा गया, जिससे अभ्यर्थियों ने इसका विरोध किया। हालांकि, आयोग के ओएसडी आर. पंचभाई ने कहा कि इस तरह के कोई निर्देश नहीं दिए गए थे और मामला उनकी जानकारी में आया है, जिसमें संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी। परीक्षा प्रदेश के चार प्रमुख शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में आयोजित की गई। इंदौर में सबसे अधिक 85 सेंटर बनाए गए थे, जहां 31,839 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

सेंटर के बाहर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की भीड़

इंदौर में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। इसके अलावा, अभ्यर्थियों के परिजन भी परीक्षा सेंटर के बाहर उनके इंतजार में बैठे थे। राजमोहल्ला स्थित क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मंदिर गर्ल्स स्कूल परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के रोल नंबर और दस्तावेज़ चेक किए गए। इसके अलावा महिला अभ्यर्थियों

से उनके गहनों को निकालवाने की घटना सामने आई। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की गई थी और आयोग ने सेंटरों पर इमरजेंसी जनरेटर और बल्ब की व्यवस्था की थी ताकि बिजली जाने की स्थिति में कोई परेशानी न हो। कुल मिलाकर प्रदेशभर में 117 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिसमें इंदौर में 85 और भोपाल, ग्वालियर तथा जबलपुर में अन्य सेंटर थे।

परीक्षा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था पर विशेष ध्यान

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10 संभागीय पर्यवेक्षकों और 10 विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी। अभ्यर्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने से पहले प्रवेश पत्र और फोटो आईडी कार्ड साथ लाने के निर्देश दिए गए थे। जिन अभ्यर्थियों के पास प्रवेश पत्र नहीं था, उनके रोल नंबर लिस्ट के आधार पर पहचान की गई और प्रपत्र-6 भरवाकर एंट्री दी गई। पहला सत्र सुबह 10 से 11 बजे तक था और दूसरा सत्र 1 से 4 बजे तक चला। परीक्षा केंद्रों पर समय पर प्रश्नपत्र पुस्तिका भी वितरित की गई।

दिव्यांग अभ्यर्थियों को मिला अतिरिक्त समय

दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई थी। ओएसडी आर. पंचभाई के अनुसार, जो अभ्यर्थी सह लेखकों के साथ परीक्षा देने आए थे, उन्हें अतिरिक्त समय दिया गया। एक घंटे की परीक्षा में उन्हें 20 मिनट और तीन घंटे की परीक्षा में 60 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। सहलेखक की योग्यता एक क्लास कम होने चाहिए और यह व्यवस्था दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष रूप से बनाई गई थी, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो।

इंदौर में दौड़ने लगी मेट्रो ट्रेन

मेट्रो में फेस्टिवल जैसा माहौल 15,000 यात्रियों ने लिया मुफ्त सफर का मजा

पेज 1 से जारी

इंदौर मेट्रो में रविवार को एक विशेष माहौल देखने को मिला, जब 15,000 से अधिक यात्री दिनभर मेट्रो में यात्रा करने पहुंचे। मेट्रो के मुफ्त सफर का आनंद लेने के लिए लोग शहर के विभिन्न हिस्सों से गांधी नगर टर्मिनल तक पहुंचे। यहां दिनभर भीड़ देखी गई और सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे तक मेट्रो सेवाएं जारी रहीं। मेट्रो के बीच के स्टेशनों पर भी नियमित रूप से स्टॉपेज होते रहे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिली।

पहले सप्ताह में मेट्रो की मुफ्त यात्रा

इंदौर मेट्रो की शुरुआत के पहले हफ्ते में यात्रियों को मुफ्त यात्रा का मौका दिया गया था। पहले दिन टिकट व्यवस्था लागू नहीं की गई थी, जिससे यात्री बिना किसी शुल्क के यात्रा कर सके। हालांकि, दूसरे हफ्ते से मेट्रो की यात्रा पर डिस्काउंट रेट पर टिकट उपलब्ध होंगे और टिकट की व्यवस्था मैन्युअल तरीके से की जाएगी।

रात 8 बजे तक चलेगी मेट्रो सेवा

इंदौर मेट्रो का संचालन गांधी नगर से लेकर स्टेशन नंबर 3 तक किया जाएगा। मेट्रो दोनों दिशा में सुबह 8 बजे से एक साथ चलेगी और रात 8 बजे आखिरी फेरा लगाया जाएगा। इस दौरान हर 30 मिनट के अंतराल पर एक मेट्रो कोच सेट का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर समय में बदलाव किया जा सकता है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए यह फैसला लिया है।

इंदौर मेट्रो का किराया और जोन व्यवस्था

इंदौर मेट्रो का किराया 5 जोन में बांटा गया है, जिसमें कुल 28 स्टेशन शामिल हैं। न्यूनतम किराया 20 रुपये जबकि अधिकतम किराया 80 रुपये रखा गया है। शुरुआती प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए किराया 20 रुपये से 30 रुपये के बीच होगा। मेट्रो के कॉमर्शियल रन में यह किराया यात्रियों के अनुसार तय किया जाएगा।

सुरक्षा, संचालन से स्वच्छता तक महिला शक्ति ने संभाली मेट्रो की कमान

इंदौर में मेट्रो की शुरुआत कई मायने में मील का पत्थर साबित हुई। मां अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती पर शुरू हुई मेट्रो का संचालन से लेकर सुरक्षा तक का काम महिलाओं ने संभाला। आज सुबह मेट्रो के शुभारंभ का कार्यक्रम शुरू होने से पहले हर जगह महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया। स्टेशन पर एंट्री से लेकर मेट्रो में व्यवस्था संभालने की बात हो या फिर कार्यक्रम के बाद में स्टेशन की सफाई की जिम्मदारी हो। हर काम को महिलाओं ने बखूबी संभालकर एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं।

मेहनत सफल हो गई

मेट्रो में सबसे अधिक खुश महिलाओं की वो टीम नजर आ रही थी जिसने मेट्रो को शुरू करने के लिए दिनरात मेहनत की। मेट्रो जनरल कंसल्टेंट टीम की महिला मेंबर भी मेट्रो में सवार थीं। टीम की अर्पिता ने बताया, हम बहुत लकी फील कर रहे हैं कि आज फाइनली मेट्रो की शुरुआत हो रही है। क्योंकि इसके लिए हम सभी ने काफी मेहनत की है, जिसमें अथॉरिटीज और गवर्नमेंट का बहुत सपोर्ट रहा। आज महिलाओं को सफर करवाया और हर काम महिलाएं संभाल रही हैं यह भी हम सभी के लिए गर्व की बात है।

स्वच्छताकर्मियों को दिया सम्मान

मेट्रो के शुभारंभ के मौके पर स्वच्छताकर्मियों को भी सम्मान दिया गया। बड़ी संख्या में नगर निगम ने महिलाओं को आमंत्रित किया और उन्हें मेट्रो की पहली राइड में शामिल किया। सभी महिला स्वच्छताकर्मियों ने कहा कि आज के दिन वह बहुत गौरव महसूस कर रही हैं क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मप्र सरकार के अथक प्रयासों से यह ट्रेन शुरू हुई और महिलाओं को विशेष सम्मान दिया गया।

सुरक्षा में भी संभाली कमान

स्टेशन पर हर जगह सुरक्षा व्यवस्था में महिला सुरक्षाकर्मियों को लगाया गया था। मेट्रो स्टेशन के बाहर एंट्री और एग्जीट से लेकर मेट्रो के अंदर सफर के दौरान भी महिला सुरक्षाकर्मियों ने ही व्यवस्था को संभाला था।

इंदौर की मेट्रो के फर्श पर बैठकर सफर किया तो भरना पड़ेगा जुर्माना

नशा करने वालों की खैर नहीं

इंदौर में शनिवार से मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू हो गया। पहले दिन सफर करने वाले यात्रियों ने खूब सेल्फी ली। रविवार को भी यात्री सफर कर सकेंगे, लेकिन मेट्रो ट्रेन के तय नियमों के साथ। दूसरे लोक परिवहन वाहनों में जांच नहीं होती, इस कारण यात्री अपने साथ कई बार नशे की वस्तु और हथियार तक ले जाते हैं।

इंदौर की सिटी बस में चाकू लहराते हुए भी दो-तीन मर्तबा बदमाश नजर आए, लेकिन मेट्रो ट्रेन में कई तरह के क्रियाकलाप प्रतिबंधित हैं। यदि यात्री उन्हें करते पाए गए तो उन्हें जुर्माना भी भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में सफर या तो सीट पर बैठकर करना होगा या खड़े रहकर। यदि यात्री मेट्रो ट्रेन की फर्श पर बैठकर सफर करते पाए गए तो 200 रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा।

गुटखा खाकर थूकने या शराब का नशा करने पर भी टिकट जब्त हो जाएगा और 200 रुपये का जुर्माना भरना होगा। इसके अलावा पुरुष यात्री महिला कोच में सफर करते मिले तो तीन माह की जेल की हवा खाना पड़ सकती है। 250 रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। कोच में विज्ञापन के लिए स्टीकर चिपकाने पर भी जुर्माना भरना होगा।

सीलबंद शराब की दो बोतल ले जा सकते हैं, सेवन किया तो जुर्माना

मेट्रो ट्रेन में यात्री खरीदी हुई शराब की दो सीलबंद बोतल ले जा सकते हैं, लेकिन ढक्कन खुला मिला तो माना जाएगा कि शराब पी है। इसके लिए भी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यात्री चाकू, नुकीली वस्तु लेकर सफर नहीं कर सकते, लेकिन सिख समाज के लोग कृपाण रखकर सफर कर सकते हैं, लेकिन उसकी लंबाई 9 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यात्री पालतू जानवरों को भी मेट्रो में लेकर सफर नहीं कर सकते हैं। मेट्रो ट्रेन में प्रोफेशनल कैमरे से फोटोग्राफी बगैर अनुमति के नहीं की जा सकेगी।

देवी अहिल्या जयंती के सभी आयोजन महिला थीम पर रहे

इंदौर में देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती पर सुबह से लेकर शाम तक हुए आयोजन महिला सशक्तिकरण को समर्पित रहे। हर आयोजन में महिला वर्ग की उपस्थिति ज्यादा नजर आई। चाहे मेट्रो ट्रेन का सफर हो या समापन समारोह। हर बडे आयोजन में महिलाएं थी।

महिलाएं शाम को देवी अहिल्या प्रतिमा की सामूहिक आरती करने पहुंची। सुबह महिलाएं भजन मंडल में शामिल होकर भजन गाते हुए राजवाड़ा चौक की परिक्रमा करने आई थी। कई महिलाएं मराठी शैली का लुगड़ा पहन कर आई थी और देवी अहिल्या जैसा तिलक लगाकर शामिल हुई। मेट्रो ट्रेन का पहला सफर महिलाओं के लिए रखा गया। बड़ी संख्या में महिला यात्रियों ने मुफ्त की सवारी की। इसके अलावा इंदौर की एक संस्था ने अलग-अलग समाजों की महिलाओं का सम्मान किया।इंदौर नगर निगम ने गौरव दिवस के रुप में देवी अहिल्या की जयंती मनाने का फैसला लिया, लेकिन किसी भी आयोजन में गौरव दिवस का उल्लेख नहीं हुआ। हर कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर ही फोकस रखा गया। नगर निगम ने जुबिनट नौटियाल के शो की घोषणा भी की थी, लेकिन बाद में उसे निरस्त कर दिया, हालांकि इसके लिए बारिश के मौसम का हवाला दिया गया।

ये हृदय की पीड़ा है कोरे जज्बात नहीं है, जो विधाता तय करता है इंसानों के हाथ नहीं है।
क्या हुआ जो हमें छोड़कर दूर सफर पर चले गये, हर पल रहेंगे वे साथ हमारे आज भले साथ नहीं।
कोई कहता है जब कि, तुझमें परछाई उनकी दिखती है, तब मुस्कुराता हूं मैं कि आप अभी भी मेरे साथ हैं दादाजी

श्रद्धानवनत : समस्त रघुवंशी परिवार

संपादकीय

बेकार का डर

भारत और पाकिस्तान के बीच का हालिया टकराव किसी भी वक्त ऐसे मोड़ पर नहीं पहुंचा, जब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत आई हो - चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान का यह बयान आशंकाओं को दूर करने के साथ ही एटमी ताकत के रूप में नई दिल्ली की परिपक्वता और जिम्मेदारी के भाव को भी दिखाता है। एएए ने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं ने तार्किक रुख अपनाया यानी उन्होंने पाकिस्तान को भी उसके हिस्से का श्रेय दिया, जो उनका बड़प्पन है।

पश्चिम की चिंता: भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी तनाव बढ़ता है, तो पश्चिम की तरफ से सबसे पहली चिंता यही जताई जाती है कि अगर टकराव हुआ तो वह परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता है। कारगिल से लेकर बालाकोट तक, अतीत में कई बार ऐसा हो चुका है। यहां तक कि कारगिल को लेकर कहानियां तक फैल चुकी हैं कि परमाणु युद्ध आसन्न था, पर अमेरिकी दखल से टल गया। इस बार भी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एटमी वॉर रुकवाने के लिए खुद से अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। विडंबना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का इकलौता कलंक अमेरिका के ही माथे है।

भारत की परमाणु नीति: पश्चिम का यह अंदेशा दरअसल भारत की क्षमताओं को कम करके आंकना है। परमाणु हथियार किसी भी युद्ध का अंतिम विकल्प हैं और उस सीमा पर पहुंचने से पहले कई सारे पड़ाव आते हैं। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

तार्किक जवाब: एएए ने इंटरव्यू में कहा कि सेना के लोग सबसे ज्यादा तर्कसंगत होते हैं, क्योंकि उन्हें परिणाम का पता है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुआ था। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से से उबल रहा था, लेकिन तब भी भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में संयम बरता और केवल पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाली कार्रवाइयों के बावजूद भारत के हम सटीक और नियंत्रित रहे।

अतीत से सबक: परमाणु हमले की विभीषिका दुनिया देख चुकी है। एक ही झटके में लाखों जिंदगियां तबाह हो गई थीं और आने वाली कई नस्लें दशकों तक वह दंश झेलती रहीं। हिरोशिमा और नागासाकी के साथ जो हुआ था, वह मानव समुदाय के लिए सबक है कि कोई भी युद्ध उस बिंदू तक नहीं पहुंचना चाहिए, जहां ऐसी नौबत आए।

'शब्दों की मर्यादा और लोकतंत्र का दायित्व'

अंकित सोनी 'निशांत'
मनावर, धार (मप्र)

विचारों की दुनिया में शब्दों की शक्ति तलवार से भी तेज होती है। आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ शब्दों का वार तलवारों से भी अधिक घातक सिद्ध हो रहा है। सियासत की बिसात पर नेता लोग बयानबाज़ी को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं — वह भी ऐसा हथियार, जो बिना खून बहाए जनमानस को जख्मी कर देता है। भड़काऊ बयानों की यह बीमारी अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही, यह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी बड़ी शिद्दत से दिखाई दे रही है। चाहे भारत-पाकिस्तान के तनाव हों या अमेरिका, चीन, तुर्की जैसे देशों के नेताओं के तीखे बयान — इन सबका सीधा असर आम जनता के मनोविज्ञान पर पड़ रहा है। सवाल यह नहीं कि कौन क्या बोल रहा है, असली चिंता का विषय यह है कि इन बयानों से जनमानस कैसे प्रभावित हो रहा है। जब कोई नेता मंच से या मीडिया के माध्यम से किसी धर्म, जाति या देश के खिलाफ जहर उगलता है, तो वह अपने समर्थकों के ज़ेहन में वही सोच बोता है। यह सोच फिर धीरे-धीरे सामाजिक व्यवहार में झलकने लगती है, और यही वह बिंदु है जहाँ से सामाजिक विभाजन की नींव रखी जाती है। बच्चों की सोच बनती है, युवाओं की दिशा बदलती है और बुजुर्गों की सहिष्णुता पर सवाल उठते हैं। भड़काऊ बयान केवल एक लफ्ज़ी हमला नहीं होते, ये मनोवैज्ञानिक युद्ध होते हैं। और दुखद यह है कि इनका कोई अंतरराष्ट्रीय आचार संहिता या अनुशासन नहीं है। एक तरफ हम डिजिटल युग में 'फ्री स्पीच' की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उसी 'फ्री स्पीच' के नाम पर नफरत का बाज़ार गरमाया जाता है।

नेता और सेलिब्रिटी जानते हैं कि उनका हर बयान लाखों दिलों-दिमागों को प्रभावित करता है, फिर भी जब वह चौराहों पर शब्दों की जंग छेड़ते हैं, तो यह मात्र व्यक्तिगत राय नहीं होती, बल्कि एक सामाजिक दायित्व की उपेक्षा भी होती है। मध्यप्रदेश के कुछ मंत्रियों के हालिया बयान हों या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के वक्तव्य, या फिर तुर्की और चीन के शीर्ष नेतृत्व के भाषण — ये सभी उदाहरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि सत्ता का लोभ, अहंकार और जनभावनाओं से खेलने की राजनीति वैश्विक बन चुकी है। जनमानस की भूमिका भी इस खेल में कम नहीं है। जब जनता तालियाँ बजाकर, सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके या उग्र प्रतिक्रिया देकर इन बयानों को समर्थन देती है, तब यह और भी खतरनाक रूप ले लेता है। ऐसे में जरूरत है सामाजिक जागरूकता की — कि जनता हर बयान को आँख मूँदकर सच न माने, बल्कि सोच-समझकर प्रतिक्रिया दे। अब प्रश्न उठता है, कार्रवाई कहाँ है? क्या सिर्फ भाषणों की तीव्रता को ही लोकतंत्र की परिभाषा मान लिया जाए? क्या जनप्रतिनिधियों को भाषाई संयम सिखाने की कोई वैधानिक प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए? भाषण के नाम पर नफरत फैलाना केवल नैतिक अपराध नहीं, सामाजिक अपराध भी है। लोकतंत्र में यह जरूरी है कि हर अभिव्यक्ति के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा हो। इसलिए देश को ऐसी नीति की आवश्यकता है जो भड़काऊ बयानों के लिए न केवल कठोर दंड निर्धारित करे, बल्कि उसे पारदर्शिता से लागू भी करे। कुल मिलाकर, शब्दों की यह राजनीति समाज के ताने-बाने को खोखला कर रही है। वक्त आ गया है कि हम केवल वक्ताओं की नहीं, बल्कि शब्दों की भी जिम्मेदारी तय करें। अन्यथा, यह भड़काऊ बयानी पैतरे जनमानस को केवल भ्रमित ही नहीं, बल्कि विघटित करने का माध्यम बनते रहेंगे।

आज के दौर में शब्द केवल विचार प्रकट करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनमत निर्माण का औजार बन चुके हैं। जब कोई जनप्रतिनिधि मंच से अपशब्द कहता है, तो वह महज एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे लोकतंत्र पर हमला करता है। लोकतंत्र का यह अपमान चुपचाप सह लिया जाए, तो यह चुप्पी भी एक अपराध बन जाती है। विडंबना यह है कि शब्दों की मर्यादा का पाठ उस संसद में नहीं पढ़ाया जाता, जहाँ से संविधान की रक्षा की शपथ ली जाती है। क्या यह जरूरी नहीं कि हर निर्वाचित जनप्रतिनिधि को शपथ के साथ-साथ 'जनभाषण की शिष्टता' की एक संहिता भी सौंप दी जाए? कभी-कभी ऐसा लगता है कि राजनीति अब मुद्दों की नहीं, मुंहजुबानी की प्रतियोगिता बन गई है। एक नेता जितना अधिक उत्तेजक बोलता है, उतना ही अधिक 'वीर' समझा जाता है। मीडिया इस 'वीरता' को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाता है, और सोशल मीडिया उसे 'ट्रेंड' बनाकर वैधता दे देता है। भाषणों का स्तर अब संसद की गरिमा से गिरकर स्टेज शो की उत्तेजना तक आ चुका है। यह लोकतंत्र की वह खामोश त्रासदी है, जिस पर कोई मौन जुलूस भी नहीं निकलता। शब्दों की मर्यादा को भंग करने वाली यह परंपरा केवल सत्ताधारी वर्ग की गलती नहीं, विपक्ष भी इसमें पीछे नहीं है। जब दोनों पक्ष भाषा की मर्यादा को ताक पर रख देते हैं, तो राजनीति की बजाय वह एक वैचारिक युद्ध बन जाती है, जिसमें विचारों का नहीं, कटाक्षों और अपशब्दों का वर्चस्व होता है। दुर्भाग्य यह है कि यह सब उस देश में हो रहा है जहाँ 'वाणी' को देवी सरस्वती का स्वरूप माना गया है। क्या लोकतांत्रिक संवाद में अब शुद्धता की कोई जगह नहीं बची? स्कूलों में बच्चों को नैतिक शिक्षा दी जाती है, लेकिन वही बच्चे जब बड़े होकर टीवी पर नेताओं की बदजुबानी सुनते हैं, तो वे समझते हैं कि असली दुनिया में नैतिकता की कोई कीमत नहीं। यह भ्रम पीढ़ियों को भीतर से खोखला कर रहा है।

क्या भाषा की मर्यादा केवल आम जनता के लिए है, और नेताओं को इससे छूट प्राप्त है? यदि नहीं, तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। लोकतंत्र के स्तंभों को यह स्वीकारना होगा कि वाणी की स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब उसमें उत्तरदायित्व की छाया हो। हमें यह भी समझना होगा कि भड़काऊ भाषा का असर सिर्फ सामाजिक सद्भाव पर नहीं पड़ता, यह देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए भी घातक हो सकता है। जब किसी समुदाय विशेष के विरुद्ध खुले मंचों से गलत शब्द बोले जाते हैं, तो वह देश की एकता को भीतर से तोड़ते हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीय भी इन बयानों से शर्मिंदा होते हैं। ऐसे में केवल बयान वापस लेना काफी नहीं — ज़रूरत है एक ऐसी संविधान-सम्मत वैधानिक नीति की, जो नेताओं की भाषा पर वैधानिक निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करे।

'बेटा, ये समय लौटकर नहीं आएगा'

डॉ. करुणेश रघुवंशी
प्रेरक वक्ता, पेरेंटिंग कोच, कवि, लेखक, सामाजिक चिंतक
निदेशक – महेश मेमोरियल पब्लिक स्कूल, बाग

मां की उंगली थामे जो चला था कभी,
आज उसी राह से मंज़िल को भुला बैठा है,
जिस पिता ने कांधों पर बिठा के दुनिया दिखाई,
आज वही बेटा पिता के सपनों से मुंह मोड़ रहा है'

जब तुम फोन पर स्क्रॉल करते हो, या दोस्तों के साथ मॉल में घूमते हो, तो कहीं एक मां अपने पुराने जोड़े की साड़ी को सिल रही होती है—इसलिए नहीं कि नया नहीं खरीद सकती, बल्कि इसलिए कि तुम्हारी कोचिंग की फीस महीने के पहले ही निकल चुकी है। कहीं एक पिता, अपनी चप्पलों और जूते जोड़ रहा होता है, ताकि अगले महीने तुम्हारे कॉलेज की किताबें आ जाएं।

बेटा, ये लेख या कहानी नहीं अपितु उन मध्यमवर्गीय मां-बाप की हक़ीक़त है,जो अपने जीवन को बच्चों की नींव में गाढ़ चुके हैं। वे खुद मिट गए, ताकि तुम एक ऊंची इमारत बन सको। जब तुम देर रात तक गेम खेलते हो, वीडियो देखते हो, तब एक मां नींद से लड़कर दरवाजे की तरफ देखती है, सोचती है—'मेरा बेटा अभी मेहनत से पढ़ रहा होगा?'

उस मां ने अपने गहने गिरवी रख दिए, ताकि तुमको मोबाइल मिल सके पढ़ाई के लिए। पर अफसोस, वही मोबाइल अब तुम्हें पढ़ाई से दूर कर रहा है। उस पिता ने भूखे पेट काम किया, घंटों धूप में खड़ा रहा,लगातार बिना घड़ी देखे काम किया ताकि तुम एयर कंडीशनर कमरे में बैठकर आराम से पढ़ सको। लेकिन क्या तुमने कभी सोचा, वो दिन-रात किस उम्मीद पर जीते हैं?

पिता का दर्द शायद शब्दों में कम झलकता है, पर उसकी आंखों के नीचे गहरे काले घेरे, और पीठ पर पसीने के निशान बताते हैं कि उसने अपने आराम की कीमत पर तुम्हारा भविष्य खरीदा है। मां की चुप्पी भी चिल्लाती है—जब वह तुम्हारी पसंद का खाना बनाती है, पर खुद वही बासी खानें से पेट भरती है,क्योंकि उसे पता है तुम्हारे नोट्स की ज़रूरत उससे ज्यादा बड़ी है।

बेटा, आज जो समय तुम बर्बाद कर रहे हो, कल वही तुम्हारे पछतावे की सबसे बड़ी वजह बनेगा। रील्स के वो कुछ सेकंड तुम्हारे पूरे जीवन को पीछे धकेल सकते हैं। दोस्त तो समय के साथ बदल जाएंगे, लेकिन मां-बाप का प्यार और उनका त्याग अमिट रहेगा—उसे मत भूलो।

क्या तुम जानते हो? जब तुम कहते हो 'पढ़ाई का मन नहीं है', तो एक मां की आंखें भीग जाती हैं। जब तुम कहते हो 'कुछ नहीं होगा', तो एक पिता का सीना दब जाता है, क्योंकि उसने तो हर उम्मीद तुमसे ही जोड़ रखी थी।

मत तोड़ो बेटा वो सपने, जो तुम्हारे लिए पाले गए हैं। मत लज्जित करो उन चेहरों को, जिन्होंने खुद को मिटा दिया तुम्हारे भविष्य के लिए। आज मेहनत कर लो, ताकि कल तुम्हारे कांपते हाथों से केवल डिग्री नहीं हो अपितु मां-बाप का आशीर्वाद और गर्व हो।

जब तुम सफल हो जाओगे, और मां के हाथ में अपना रिज़ल्ट पकड़ाओगे, और जब पिता की आंखों में गर्व के आंसू होंगे— तभी उनका त्याग पूरा होगा तब वे सच में मुस्कराएंगे।

बेटा, वक्त लौटकर नहीं आता। तुम लौट सकते हो—लेकिन सपने टूटकर नहीं जुड़ते। अब भी समय है—उठो, पढ़ो, संघर्ष करोष्ठ ताकि कल पछताना न पड़े। उन आंखों के आंसुओं की कीमत समझोष्ठ क्योंकि वही तुम्हारा सबसे बड़ा आशीर्वाद हैं।

'छत टपकती रही फिर भी नींदें बेच दीं,
बेटे के हर ख्वाब को हकीकत कर दिया,
अब तू भी कुछ कर दिखा ऐ बेटे,

जिस मां-बाप ने अपना सब कुछ तुझ पर वार दिया'

भारत की वो खूबसूरत हसीनाएं, जिन्होंने अपने नाम किया मिस वर्ल्ड का ताज

दुनिया के सबसे फेमस ब्यूटी कॉन्टेस्ट मिस वर्ल्ड 2025 का आयोजन हैदराबाद में हुआ। जिसमें 72वीं मिस वर्ल्ड कॉन्टेस्ट में 3500 से ज्यादा स्पेशल गेस्ट शामिल हुई। वहीं 71वीं मिस वर्ल्ड क्रिस्टिना पायजकोवा विनर को ताज पहनाएंगी। इस खास मौके पर जैकलीन फर्नांडीस और ईशान खट्टर अपनी शानदार लाइव परफॉर्मेंस दी।

इस दौरान 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीत चुकीं मानुषी छिल्लर भी शाद्धमल हुई। आपको बता दें कि साल 2017 के बाद से ही भारत में इस ताज का इंतजार हो रहा है। इस प्रतियोगिता की शुरूआत 1951 में हुई थी। इंडिया से अब तक 6 महिलाएं मिस वर्ल्ड का खिताब जीत चुकीं हैं। आज हम आपको 72वें मिस वर्ल्ड कॉन्टेस्ट के फिनाले के मौके पर उन भारतीय हसीनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्होंने पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन किया है। आइए जानते हैं –

रीता फारिया

रीता फारिया ने 21 साल की उम्र में ही देश का नाम रोशन कर दिया था। इन्होंने ही भारत को सबसे पहले मिस वर्ल्ड का खिताब दिलाया था। 1966 में वे पहली भारतीय महिला बनीं, जिन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था। उस दौरान रीता फारिया को बेस्ट इन स्विम सूट और बेस्ट इन ईवनिंग गाउन जैसे टाइटल से भी नवाजा गया था। वो सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि एशिया की भी पहली मिस वर्ल्ड बनी थीं। आपको बता दें कि इनका जन्म मुंबई में 1945 में हुआ था।

ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय बच्चन परिवार की बहू हैं। इन्हें खूबसूरती की मल्लिका कहा जाता है। ऐश्वर्या ने 1994 में भारत को दूसरे मिस वर्ल्ड का खिताब दिलाया था। इस ऐतिहासिक जीत के बाद ही ऐश्वर्या पूरी दुनिया में एक फेमस चेहरा बन गई थी।

डायना हेडन

भारत को तीसरे मिस वर्ल्ड का खिताब दिलाने वाली महिला डायना हेडन थीं। वह एक क्लासिकल डांसर थीं। उन्होंने 1997 में ही ये ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इनका जन्म 1973 में हैदराबाद में हुआ था। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद उन्होंने कई टीवी एड और फिल्मों में भी काम किया।

युक्ता मुखी

डायना के मिस वर्ल्ड बनने के दो साल बाद ही भारत को एक और खिताब मिल गया। कर्नाटक की युक्ता मुखी को 1999 में मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया। मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद युक्ता ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन वो असफल रहीं। इसके बाद उन्होंने शादी कर ली।

प्रियंका चोपड़ा

देसी गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वह ताज पहनने वाली 5वीं भारतीय महिला बनीं थीं। मिस वर्ल्ड बनने के बाद प्रियंका ने बॉलीवुड में डेब्यू किया और इसके बाद वे एक के बाद एक सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ती गईं।

मानुषी छिल्लर

साल 2000 से ठीक 17 साल बाद हरियाणा की मानुषी छिल्लर को मिस वर्ल्ड के खिताब से नवाजा गया था। इसके बाद इन्होंने फिल्म 'पृथ्वीराज सम्राट' के जरिए बॉलीवुड में अपना करियर शुरू किया था। ●

कियारा की फिल्म से छुट्टी के बाद डॉन 3 के लिए फाइनल हुईं ये हसीना

फिल्म डॉन-3 इस समय चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म की हर एक अपडेट जानने के लिए फैंस बेताब रहते हैं। इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस के रोल में कियारा आडवाणी नजर आने वाली थी, लेकिन एक्ट्रेस अभी प्रेगनेंसी फेज का आनंद ले रही हैं। अब इस फिल्म में एक दूसरी हसीना की एंट्री हुई है, जिसका एक सबूत भी फैंस को मिला है। आइए जानते हैं कौन है वो एक्ट्रेस।

कृति सनोन एक बार फिर कास्टिंग की अफवाहों में है। इन दिनों कृति का नाम फिल्म की लीड एक्ट्रेस के लिए सुनने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें कृति को फरहान अख्तर के मुंबई स्थित एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। इस वीडियो ने फैंस की एक्साइटमेंट को और भी ज्यादा बढ़ा दी है। फैंस कयास लगा रहे है कि कृति को डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ लीड रोल में देखने मिलने वाला है। फिल्म डॉन-3 की टीम ने अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। कृति के एक करीबी सूत्र ने बताया कि उनका शेड्यूल काफी बिजी है। उन्होंने कहा-कृति फिलहाल अपनी अगली फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग में बिजी चल रही है। इसके बाद वह अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगी, जिसकी उन्होंने अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ●

॥ मां का आशीर्वाद ॥

ABHI TIMENEWS

www.timenews.today

इंदौर, 02 मई से 08 जून 2025

शिलांग की गहरी खाई में मिला इंदौर के 'राजा' का शव..!

पत्नी सोनम अब भी लापता, परिजनों ने लगाई सेना बुलाने की गुहार

INDORE • TIME NEWS

मेघालय की राजधानी शिलांग में पिछले 10 दिनों से लापता इंदौर के कपल की तलाश कर रही टीम को सोमवार को बड़ी सफलता मिली है। सर्च ऑपरेशन के दौरान राजा रघुवंशी का शव एक गहरी खाई में मिला है। वहीं, उनकी पत्नी सोनम का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस घटना से राजा के परिवार में मातम पसरा है, लेकिन परिजनों ने अभी तक शव की औपचारिक शिनाख्त नहीं की है।

जानकारी के अनुसार, राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 10 दिन पहले शिलांग घूमने के लिए निकले थे। यात्रा के दौरान वे अचानक लापता हो गए। परिवार की शिकायत पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। खराब मौसम और लगातार हो रही बारिश के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में कई बार बाधाएं आईं। ड्रोन से भी तलाश की गई, लेकिन गहरी खाई और कोहरे की वजह से स्थिति बेहद कठिन बनी रही।

खाई में मिला पुरुष का शव

सोमवार को जब रेस्क्यू टीम खाई में उतरी, तो उन्हें एक पुरुष का शव दिखाई दिया, जिसे बाद में राजा रघुवंशी होने की आशंका जताई गई। हालांकि, परिजनों का कहना है कि उन्होंने अभी तक शव को देखकर पहचान नहीं की है। शव की हालत काफी खराब बताई जा रही है।

राजा की पत्नी की तलाश अभी भी जारी

राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम की तलाश अभी भी जारी है। परिजन, स्थानीय लोग और पुलिस मिलकर लगातार प्रयास कर रहे हैं कि किसी तरह उसका भी पता चल सके। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने पहले दिन से इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने गाइड और स्थानीय रेस्टोरेंट स्टाफ से ठीक से पूछताछ नहीं की, जबकि कपल के लापता होने से पहले वहीं आखिरी बार देखा गया था।

गांव में होने की आशंका

परिजनों ने मांग की है कि सोनम की तलाश के लिए अब आर्मी या किसी विशेष प्रशिक्षित टीम की मदद ली जाए। उन्होंने यह भी बताया कि खाई के नीचे कुछ गांव है, जहां अगर सोनम किसी तरह पहुंची हों, तो ग्रामीणों से सूचना मिल सकती है।

एमपी के मंत्री ने जताया दुख

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस घटना पर लिखा कि इंदौर निवासी युवा राजा रघुवंशी जी के दुखद निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदय को व्यथित करने वाला है। विवाह उपरान्त वे अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सोनम रघुवंशी के साथ शिलांग स्थित ओसरा हिल्स की यात्रा पर गए थे। अभी मीडिया के माध्यम से पता चला है कि राजा की पार्थिव देह मिली है। यह समाचार अत्यन्त विषादपूर्ण है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बजरंगियों के साथ दर्जी समाज के लोगों ने संघ कार्यालय के नजदीक पकड़ा लव जिहादी

INDORE • TIME NEWS

बजरंग दल और समाज के लोगों ने मारा फ्लैट पर छापा, मौके पर हुई नौशाद अली की जमकर पिटाई शहर के सदर बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत रामबाग कॉलोनी स्थित विनेंद्र अपार्टमेंट में बीती रात करीब 9 बजे जबरदस्त हंगामा खड़ा हो गया। बजरंग दल और गुजराती दर्जी समाज के लोगों ने एक फ्लैट में दबिश देकर एक मुस्लिम युवक को अविवाहित हिंदू महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। युवक की पहचान मुंबई निवासी नौशाद अली खान के रूप में हुई है, जो कथित रूप से बड़े कव्वाली प्रोग्राम्स का आयोजक है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बजरंग दल के तन्नू शर्मा को गुप्त रूप से सूचना मिली थी कि रामबाग स्थित फ्लैट में रह रही 35 वर्षीय अविवाहित महिला के पास अक्सर एक मुस्लिम युवक का आना-जाना लगा रहता है। महिला गुजराती दर्जी समाज से संबंधित है। सूचना मिलते ही शर्मा ने दर्जी समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा की। समाज के लोगों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया।

फ्लैट में मारा छापा, युवक आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया: बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ लड़की के बुआ के बेटे गिरधर परमार ने रात करीब 9 बजे फ्लैट पर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया। सूत्रों के अनुसार, जब दरवाजा खोला गया, तो नौशाद अली खान आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया। यह दृश्य देखकर समाज के लोगों और बजरंग दल कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। मौके पर ही नौशाद की जमकर पिटाई की गई और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही गुजराती दर्जी समाज के अध्यक्ष मोहनलाल चौहान समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग और बजरंग दल कार्यकर्ता सदर बाजार थाने पर इकट्ठा हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि अब तक इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, लेकिन समाज की ओर से एक शिकायती आवेदन दिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नौशाद अली खान पर गहरा शक, 'लव जिहाद' और जासूसी की भी आशंका: स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि यह केवल प्रेम-प्रसंग का मामला नहीं बल्कि 'लव जिहाद' या इससे भी गंभीर साजिश हो सकती है। यह बात इस वजह से और अधिक गंभीर हो गई है क्योंकि जिस अपार्टमेंट में युवक को पकड़ा गया, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय के बेहद करीब स्थित है बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि एक मुस्लिम युवक, जो मुंबई से आता है और कव्वाली कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी पहुंच बनाता है, वह इंदौर में एक हिंदू महिला से निकट संबंध बनाकर क्या किसी सुनियोजित षड्यंत्र को अंजाम देने की कोशिश कर रहा था? क्या यह संघ कार्यालय पर निगरानी रखने का माध्यम था? ये सवाल अब पुलिस और खुफिया एजेंसियों के लिए गंभीर जांच का विषय बन गए हैं।

विश्व हिन्दू परिषद समरसता संयोजक :तन्नू शर्मा ने कहा कि यह कोई प्रेम-प्रसंग नहीं बल्कि धर्म विशेष द्वारा रची जा रही सुनियोजित साजिश है। इंदौर मालवा प्रांत के संघ कार्यालय के समीप एक जिहादी खुल्ले आम हिन्दू लड़की लव जिहाद में फसाकर उसके साथ नाजायज संबंध बनाकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा हे हम हिंदू बहनों को बहला-फुसलाकर फंसाने और धर्मांतरण की साजिश को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे। गुजराती दर्जी समाज के राष्टीय अध्यक्ष मोहनलाल चौहान ने इस घटना को लेकर भारी रोष जताया है।

उन्होंने कहा समाज के अन्य वरिष्ठ सदस्य भी इस बात से नाराज हैं कि समाज की युवती द्वारा एक बाहरी, वह भी अल्पसंख्यक मुस्लिम युवक, से संबंध रखना न केवल अपमानजनक है, बल्कि यह समाज की संस्कृति के लिए भी खतरा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अभिषेक रघुवंशी द्वारा श्री सांई ग्राफिक्स जी-9 प्राईम सेन्टर, सिख मोहल्ला, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 110, बालाराव इंगले परिसर, इंदौर प्रेस क्लब, एम.जी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।

संपादक : **अभिषेक रघुवंशी (अधिवक्ता), मो. 9300033309**, सह-संपादक- **निखिल सोनी**